सोलिड वाटर वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट जैसे कई मुद्दे हैं। इसके बारे में हम बिहार जल परिषद के साथ सम्पर्क में हैं। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: क्या सम्पर्क में हैं। ...(व्यवधान)...

SHRI PREM CHAND GUPTA: They have acknowledged the letter after four months.

श्री सभापति: आप मंत्री जी को बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... आप बोलने दीजिए। आप बोलने दीजिए।

श्री अनन्त कुमार: सभापति महोदय, शहरी विकास मंत्रालय और बिहार जल परिषद सम्पर्क में है। यदि हमको एक हजार करोड़ रुपया चाहिए तो जैपनीज बैंक आफ इंटरनेशनल कोआपरेशन से ही मिलेगा। उन्होंने पहले फेज के लिए 1000 करोड़ रुपया मांगा है। लेकिन अभी इसको हम उनके सामने रखेंगे यानी जैपनीज बैंक आफ इंटरनेशनल कोआपरेशन के सामने रखेंगे और जो कुछ पटना के बारे में और बिहार के बारे में मांगा है, उसको करने के लिए हम कटिबद्ध हैं।

प्रो॰ राम देव भंडारी: आप एक अनुमानित समय तो बता दीजिए? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए। आप बैठिए। ऐसे नहीं होगा। ...(व्यवधान)... माननीय मंत्री जी आप एक काम करिए। आप खतो-किताबत की जगह बिहार के अधिकारियों और मंत्रियों को बुला लीजिए और इस मामले का जल्दी से जल्दी निपटारा करा दीजिए।

श्री अनन्त कुमार: सर, ठीक है।

Coverage of Iraq crisis

*269. SHRI SANJAY NIRUPAM:††
SHRI DATTA MEGHE:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Doordarshan has decided to engage a private producer to provide its viewers coverage of the unfolding Iraq crisis;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the owner of this Production House has any outstanding dues to DD; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Sanjay Nirupam.

AND BROADCASTING (SHRI RAVI SHANKAR PRASAD): (a) to (d) A Statement is laid on theTable of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) Prasar Bharati has informed that the proposal received from M/s. Third Eye TV, New Delhi has been accepted by Doordarshan, which has decided to commission the programme, consisting of 20 episodes of 30 minutes each, for five days in a week.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, मेरे पास थोड़ा-सा वक्त है। अभी इराक का युद्ध शुरू भी नहीं हुआ है कि दूरदर्शन को इराक युद्ध का महत्व इतना समझ में आया कि उसने एक कम्पनी को हायर किया और उसके साथ पांच लाख रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 20 दिन का कांट्रेक्ट कर लिया और उसको एक करोड़ रुपया भी दे दिया। मंत्री जी, मैं आपके सामने यह फिगर रख रहा हूं, अगर ये गलत हो तो आप करेक्ट कर दीजिएगा। क्या इराक युद्ध शुरू होने से पहले ही इतना बड़ा आयोजन करना जरूरी था? यह मेरा पहला प्रश्न है।

अभी तक युद्ध शुरू भी नहीं हुआ है। क्या वह कम्पनी, वह टीम इराक चली गई है, बगदाद चली गई है? क्या उसने वहां से इन-पुट भेजना शुरू कर दिया है? अगर शुरू कर दिया है तो इराक युद्ध होने से पहले इस इन-पुट का क्या अर्थ है?

श्री सभापति: इन-पुट एक ही मिनट का है।

श्री रवि शंकर प्रसाद: आदरणीय सभापति जी, यह खाड़ी का तनाव एक गंभीर विषय है। लेकिन अभी तक इसकी सारी खबरें बी॰बी॰सी॰, सी॰एन॰एन॰ के क्षितिज से ही आती थीं। दूरदर्शन ने एक निर्णय किया कि इंडिया फोकस और इंडिया कंसर्न को लेकर वहां से खबरें आनी चाहिएं। इसके लिए हम लोगों ने विचार किया और पहले हमने स्वयं कार्यक्रम तैयार करने के बारे में सोचा। लेकिन उसका खर्चा इंश्योरेंस के अलावा लगभग दो करोड़ रुपये आने वाला था। फिर यह सोचा कि शेयरिंग करके कार्यक्रम बनाया जाए तो उसका भी खर्चा बहुत ज्यादा था। सईद नकवी और सतीश जैकब दोनों इंटरनेशनल क्षेत्र के हैं और भारतमूल के रहने वाले हैं। इन लोगों का एक्सपीयरेंस काफी है। इन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर बहुत कवरेज किया है, पहले भी वार को कवर किया है और दूरदर्शन की गाइडलाइन्स में इस बात का प्रावधान है कि एसाइनमैंट बेसिस पर ऐसे ट्रोपीकल इश्युज़ के बारे में कोई निर्णय कर सकते हैं, इसीलिए यह निर्णय किया गया है। अगर इसको स्वयं दूरदर्शन तैयार करने की कोशिश करता है तो इसमें कई गुणा ज्यादा खर्चा होता

है। और हमारी अपनी बुलेटिन उससे प्रभावित होती। इसलिए हमने ऐसा किया है। हमें लगता है कि भारत के कन्सर्न के अनुसार दुनिया सिर्फ बी॰बी॰सी॰ और सी॰एन॰एन॰ को नहीं देखेगी, भारत को भी इस दिशा में देखेगी। ऐसा हमारा विचार है।

श्री संजय निरुपम: इराक वार कवर करने के लिए दूरदर्शन का कितना खर्चा आ रहा था, मुझे इस पर नहीं जाना है। लेकिन अगर वह आपका क्राइटेरिया है तो क्या सईद नकवी, सतीश जैकब और थर्ड आई या फोर्थ आई जो भी हो, उसको देने से पहले आपने बिड बुलाई, निविदाएं बुलाईं? हो सकता था कि बहुत बड़ी ऐसी कम्पनियां आतीं जो दो लाख रुपये में आपको कवर करके दे देतीं। इसलिए मेरा सीधा सवाल सिर्फ बिडिंग के ऊपर है।

श्री रवि शंकर प्रसाद: सभापति महोदय, बिडिंग का प्रावधान है लेकिन हमारे दूरदर्शन की गाइडलाइन्स में यह भी है कि ऐसे संवेदनशील मामलों में अगर कुछ सोचना है तो असाइनमेंट भी कर सकते हैं। मेरे मित्र बड़े अनुभवी पत्रकार हैं...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

TKDL project

*262. SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether an MoU has been signed between Indian Systems of Medicine and Homoeopathy and National Institute of Science Communication on 6th June, 2001 for establishing Traditional Knowledge Digital Library (TKDL);

(b) whether first phase targets Ayurveda;

(c) if so, the details thereof and number of shlokas put on the portal;

(d) whether project TKDL had to be completed by October, 2002;

(e) if so, the present status of the project;

(f) whether the project is expected to have a website of approximately 1,40,000 pages;

(g) whether the website is available; and

(h) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) Yes, Sir.